This question paper contains 3 printed pages.]

7762 *आपका अनुक्रमांक ....*

M.A. (एम.ए.) / II A

HINDI (हिन्दी)

Paper-13 (प्रश्नपत्र-13) Gr.C

[आधुनिक कविता (1857 ई. से 1920 ई.)]

(Admissions of 2000 and onwards)

(प्रवेशवर्ष 2000 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

नोट : *प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) छुअत शीतल, सबै होत गात आत

स्नेही के परस सम पवन प्रभात॥
लिए जागी फूल-गंध भलै तेजधाम
रेल रेल आवै लखि रेल प्रात-वाम॥

अथवा 7

सुरपुर अरु सुरकानन की सुढि सुंदरताई
त्रिभुवन मोहन करनि कबिनु बहु बरनि सुनाई
सो सब कानन सुरी, किंतु नैनन नहि देखी
जहँ तहँ पोथिन पढ़ी, पैसु परतच्छन पेखी
सो कवियन जो कही कलित सुरलोक निकाई
याही को अवलोकि एक कल्पना बनाई।

(ख) मेरे प्यारे, पुरुष, पृथ्वी-रत्न औ शांतिधी हैं।
संदेशों में तदपि उनकी, वेदना, व्यंजिता है
मैं नारी हूँ, तरल-उर हूँ, प्यार से वंचिता हूँ।
जो होती हूँ विकल, विमना, व्यस्त, वैचित्र्य क्या है॥

अथवा 7

उत्साह उन्नति का नहीं, खेद है अवनति का नहीं,
है स्वल्प-सा भी ध्यान हमको समय की गति का नहीं।
हम भीरुता के भक्त हैं, अति विदित विषयासक्त हैं,
श्रम से सदा विरक्त हैं, आलस्य से अनुरक्त हैं॥

2. भारतेंदु युगीन कविता में भाषा और वस्तु के स्तर पर परंपरा और नवीनता के स्वरों की पहचान और समीक्षा कीजिए।

अथवा 12

द्विवेदी युगीन कविता में राष्ट्रवाद का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

3. 'प्रबोधिनी' में निहित नवजागरण की चेतना का विवेचन कीजिए।

अथवा 12

'सांध्य-अटन' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

4. 'प्रियप्रवास' के महाकाव्यत्व का विवेचन कीजिए।

अथवा 12

'भारत-भारती' के संदेश की समीक्षा कीजिए।